ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे कारोबारों को बढ़ावा देने की दिशा में बायो फ्यूल सर्कल के बायोमास बैंक की ओर से योगदान

बाराबंकी। भारत के अग्रणी डिजिटल बायोएनर्जी प्लेटफॉर्म बायो फ्यूल सर्कल ने पराली जलाने की ज्वलंत समस्या से निपटने के रामनगर बायोमास बैंक के पहल पर प्रकाश डाला है। पराली जलाने के मौसम के दौरान शुरू की गई यह पहल, कृषि अपशिष्ट को मूल्यवान संसाधन में बदलकर पर्यावरण क्षरण और किसान कल्याण की दोहरी चुनौतियों का समाधान करती है। फसल कटाई के बाद खेतों को साफ करने के लिए पराली जलाना प्रचलित तरीका है, लेकिन इसके नतीजे विनाशकारी होते हैं। समूचे क्षेत्र में छा जाने वाली जहरीली धुंध से लाखों लोग प्रभावित होते हैं, जबकि पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी के क्षरण के कारण किसानों को भी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति की प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया में, 'पराली से उज्ज्वल भविष्य' कैंपेन किसानों को एक ऐसा विकल्प प्रदान करता है, जिससे न सिर्फ़ पर्यावरण की सुरक्षा होती है, बल्कि आय और नए कारोबार के अवसर भी उपलब्ध होते हैं। बायो फ्यूल सर्कल की पहल का आधार नवीन और सहभागी बायोमास एकत्रीकरण मॉडल है, जिसे बायोमास बैंक कहा जाता है। पराली का संग्रहण, परिवहन और भंडारण इसके क्लाउड-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संभव है। इससे किसानों को उद्योग से जुड़ने का अवसर मिलता है। वे अपनी पराली

को बाजार में बेच सकते हैं, जिसे जैव ईंधन के उत्पादन में फीडस्टॉक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, इस प्रकार समस्या को सुनहरे अवसर में बदलने का मौका मिलता है। इससे किसानों को फसल के अवशेषों से पैसा कमाने का अवसर मिलेगा, और जलाने के कारण होने वाले वायु प्रदूषण में भी कमी आएगी। बायो फ्यूल सर्कल सर्किल के ऐप आधारित परिचालनों और हाल ही में डिजिटल नेटवर्क से जुड़ी कृषि समाशोधन मशीनों की शुरूआत ने किसानों और स्थानीय लोगों को आपूर्ति श्रृंखला में ज़्यादा प्रभावी ढंग से शामिल होने का अवसर दिया है। इसके लाभ वित्तीय लाभ से कहीं ज़्यादा हैं। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं, स्थानीय लोगों को नौकरियां मिल रही हैं, और छोटे ग्रामीण व्यवसायों का विकास हो रहा है, साथ ही ट्रैक्टर मालिकों, मशीन ऑपरेटर और बायोमास आपूर्ति श्रृंखला में शामिल अन्य श्रमिकों को भी शामिल किया जा रहा है।